Ministry of Culture
Government of India

आज़ादी का अमृत महोत्सव

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

प्रख्यात असमिया कवि तथा साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य नीलमणि फूकन जी का निधन 19 जनवरी 2023, गुरुवार को हो गया। वे 89 वर्ष के थे।

1933 में जन्मे नीलमणि फूकन को उनकी कविता के अद्भुत प्रतीकवाद और कल्पनात्मक गुणों के लिए जाना जाता था। हालाँकि वे उन कवियों के समूह में सबसे कम आयु के थे जिन्होंने फ्रांसीसी प्रतीकवादी कवियों के साथ–साथ पश्चिम के कल्पनावादियों और औपचारिकताओं से प्रभावित होकर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्वयं को असम में स्थापित किया। नीलमणि फूकन ने किसी भी अन्य कवि की तुलना में अधिक योगदान दिया तथा इन प्रवृत्तियों को आधुनिक असमिया कविता में स्थापित किया।

उनके उल्लेखनीय कविता–संग्रह हैं – *सूर्य हेने नामी अहे एइ नदियेदी, निरजंतर शब्द, अरु की नईशब्द, फूली ठाका सूर्य मुखी, काइंत, गल्प अरु काइंत, कोबिता* आदि।

पद्मश्री, ज्ञानपीठ पुरस्कार, साहित्य अकादेमी पुरस्कार तथा कई अन्य पुरस्कार प्राप्त करने वाले, नीलमणि फूकन ने प्रतीकवाद, छवियों और सुझावों के माध्यम से व्यक्तिगत भावनाओं की अभिव्यक्ति के महत्त्व पर बल दिया तथा श्रेष्ठ विचारों तथा अपने अनुभव के सूक्ष्म विश्लेषण से उत्कृष्ट रचनात्मकता प्रदर्शित की। इन्हीं संवेदनाओं ने उनकी कविताओं को अद्वितीय स्तर पर पहुँचा दिया।

साहित्य अकादेमी ने 2022 में नीलमणि फूकन को अपना सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान महत्तर सदस्यता प्रदान किया था। साहित्य अकादेमी महान कवि के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करती है और दिवंगत साहित्यकार के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

के. श्रीनिवासराव